SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: Incidentally the Prime Minister is here. That is why we are asking.

MR. CHAIRMAN: His being here does not justify asking anything. Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

प्रत्यक्ष कर कानून (संशोधन) अधिनियम, 1987 के अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों से अनुमानित आय

*2. **श्री मोर्जा इर्शाद बेग :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्यक्ष कर कानून (संशोधन) अधिनियम, 1987 के अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों से कितनी आय होने का अनुमान है ;

(ख) क्या इस अधिनियम की कुछ धाराओं के खिलाफ शिकायतें प्राप्त हुई हैं यदि हां, तो उनका स्वरूप क्या है और उनमें क्या-क्या मांगें की गई हैं और उनका समाधान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और यदि इस मामले में कोई कदम नहीं उठाये जा रहे हैं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या इस संबंध में कोई रियायत देने और इस अधिनियम में कोई संशोधन करने का कोई प्रस्ताव है ; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राजस्व विभाग में राज्य मंत्री (श्री अजीत पांजा) : (क) से (ग) प्रत्यक्ष कर कानून (संशोधन) अधिनियम, 1987 का आशय आय के निर्धारण और कर वसूलियों से संबंधित कार्यविधियों को कारगर बनाने से है। इसके उपबंधों के लागू होने पर इनके बेहतर अनुपालन के द्वारा राजस्व में, कुछ वृद्धि हो सकती है। ये उपबंध स्वत: ही निष्प्रभावी हैं।

सरकार को प्रत्यक्ष कर कानून (संशोधन) अधिनियम, 1987 के उपबंधों के संबंध में विभिन्न व्यापार संघों, वाणिज्य मण्डलों, व्यावसायिक संस्थाओं और व्यक्तियों से अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। इन अभ्यावेदनों में अधिनियम के कुछ उपबंधों की, मुख्य रूप से उन उपबंधों की आलोचना की गई है जो फर्मों पर कर की उच्चतम सीमान्तिक दर लगाने, अतिरिक्त कर लगाने, कर-निर्धारण को पुन: आरम्भ करने, कतिपय न्यासों/संस्थाओं आदि के संबंध में केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अभ्यावेदन से संबंधित है।

सरकार का इन मुद्दों पर दृष्टिकोण स्पष्ट है। उठाए गए मुद्दों का गहराई से विश्लेषण करने के बाद ही उपयुक्त कार्यवाई आरम्भ की जाएगी।

Air pollution in the capital

*3. SHRI KAPIL VERMA:
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a study report of the Central Institute of Educational Technology under N.C.E.R.T. to the effect that there is a possibility of Bhopal-type gas tragedy repeating itself in the Capital if extreme safety measures are not taken against emission of over 400 tonnes of pollutants by ten lakh vehicles running daily;

(b) if so, what are the details in this regard; and

(c) what measures Government propose to take to check the menace?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI Z. R. ANSARI): (a) and (b) The Central Institute of Educational Technology has prepared a media material (vedio-tape) to sensitize high school teachers in issues related to ecology in India. This is based on materials compiled from newspapers, magazines and other publications. Relevant extracts from the video-tape are placed on the Table of the House as statement. (*See* below).